HINDUSTAN PAGE 6

एलयू एनआईआरएफ रैंकिंग में यूपी का इकलौता राज्य विश्वविद्यालय

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

101 साल का इतिहास...दो परिसर... बेहतरीन शिक्षाविद...मगर विडम्बना यह कि लखनऊ विवि अभी तक कभी देश के टॉप विवि की रैंकिंग में शामिल नहीं हुआ। यह पहला मौका है जब एलयू को केन्द्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय की एनआईआरएफ रैंकिंग में जगह मिली है। हालांकि अभी विवि के हिस्से कोई रैंक नहीं आई है और इसे 150 से 200 के रैंकबैंड में रखा है लेकिन गर्व की बात जरूर है कि एलयू इस सूची में प्रदेश का एकमात्र राज्य विवि है।

एलयू के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय कहते हैं कि यह उपलब्धि कम नहीं है कि हम पहली बार इस सूची में जगह बना पाए। इस बार रैंकिंग के लिए बहुत ज्यादा सूचनाएं जमा नहीं हो पाई थीं जिसके चलते हम काफी पीछे रह गए। अगली बार टॉप 100 में आने के पूरे प्रयास होंगे।

150
से 200 के रैंकबैंड में रखा गया है एलयू को

आईआईएम लखनऊ तीन स्थान नीचे खिसका

एनआईआरएफ रैंकिंग में आईआईएम लखनऊ तीन स्थान नीचे खिसकते हुए सातवें पायदान पर पहुंच गया है। पिछली बार आईआईएम लखनऊ की रैंक चौथी थी। यहां तक कि लखनऊ के बाद बने आईआईएम संस्थान इंदौर व कोझिकोड इससे आगे निकलकर छठे व चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

बता दें कि आईआईएम लखनऊ 1984 में शुरू हुआ था। वहीं आईआईएम इंदौर और कोझिकोड दोनों 1996 में स्थापित किए गए। दोनों संस्थान इस बार स्थापना की रजत जयंती मना रहे हैं और सौगात में दोनों को एनआईआरएफ की बेहतर रैंकिंग मिली है। वहीं आईआईएम लखनऊ की व्यवस्था पर इस साल रैंकिंग ने सवाल खड़े कर दिए हैं। रैंकिंग में टॉप तीन संस्थान अहमदाबाद, बंगलुरु व कोलकाता हैं।

> एनआईआरएफ रैंकिंग में आईआईएम लखनऊ को 7वां स्थान मिला है। हम एनआईआरएफ द्वारा दिए गए अंकों की समीक्षा करेंगे। **अर्चना शुक्ला**, निदेशक आईआईएम लखनऊ

65 वीं रैंक पर बीबीएयू रैंक में हुआ सुधार | **101** से 150 के रैंकबैंड में था पिछले साल

बीबीएयू ने भी टॉप 100 में रहकर बनाई अपनी जगह

विश्वविद्यालयों की सूची में बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (केन्द्रीय) ने 65वां पायदान हासिल किया है। पिछली बार विवि 101 से 150 के रैंकबैंड में था। एक वर्ष में देश के टॉप 100 शामिल होकर बीबीएयू ने बड़ी उपलब्धि अपने खाते में दर्ज की।

कुलपति बोले

यह पूरे विवि परिवार के अथक प्रयासों का नतीजा है। आगे भी कठिन परिश्रम के साथ हम आगे बढ़ेंगे और बीबीएयू को टॉप टेन में शामिल करने का पूरा प्रयास करेंगे। **प्रो. संजय सिंह**

रैंकिंग के मानक

100 अंकों के आधार पर किया मूल्यांकन

● टीचिंग, लर्निंग और रिसोर्सेज: 100 अंक ● रिसर्च,प्रोफेशनल प्रैक्टिस: 100 अंक ● ग्रेजुएशन आउटकम: 100 अंक ● परसेप्शन: 100 अंक ● आउटरीच एंड इन्क्लूसिविटी:100 अंक निर्धारित किए गए हैं।

39 वें स्थान पर रहा केजीएमयू

केजीएमयू ओवर ऑल रैंकिंग में पिछड़ा, मेडिकल संस्थानों में 9वीं रैंक

मेडिकल संस्थानों की सूची में केजीएमयू को 10वीं रैंक मिली थी, इस साल इसमें एक पायदान की बढ़त रही और 9वीं रैंक हासिल हुई। हालांकि विश्वविद्यालयों की सूची में केजीएमयू आठ पायदान नीचे 39वें स्थान पर पहुंच गया जबकि पिछली बार 31वें स्थान पर था। केजीएमयू के कुलपति कहते हैं कि कोरोना काल में भी 1000 से ज्यादा शोधपत्र प्रकाशित हुए हैं। टेली मेडिसिन ई-संजीवनी के माध्यम से सबसे ज्यादा मरीजों को इलाज मुहैया कराया। अगले साल हम टॉप 5 में पहुंचें, इस दिशा में प्रयास हो रहे हैं।

कुलपति बोले

मेडिकल संस्थानों में हमारी नौवी रैंक आई है, इसमें और सुधार होगा। बीते चार से छह माह में काफी मेहनत की गई है। **प्रो. बिपिन पुरी**

i-NEXT PAGE 4

लखनऊ यूनिवर्सिटी में शिक्षकों के 197 पदों पर आवेदन शुरू

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW(9 Sept): लखनऊ यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर के 197 स्थाई पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है. अभ्यर्थियों वेबसाइट **www.lkouniv.ac.in** पर जाकर 30 सितंबर तक आवेदन कर सकते हैं. भर्ती यूजीसी 2018 के रेगुलेशन और हाल में जारी नए शासनादेश के अनुसार होगी.

कितने पदों पर भर्ती

पद	संख्या
असिस्टेंट प्रोफेसर	85
एसोसिएट प्रोफेसर	70
प्रोफेसर	42

आवेदन फीस

- सामान्य और ओबीसी वर्ग के लिए - 1500 रुपए
- एससी-एसटी वर्ग के लिए - 1200 रुपए

पढ़ाकर भी दिखाना होगा

प्रो. मनुका खन्ना के अनुसार, भर्ती प्रक्रिया में कुछ बदलाव भी किए गए हैं. इस बार एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर के पद पर चयन के लिए केवल इंटरव्यू होगा, वहीं असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए लिखित परीक्षा, इंटरव्यू और पीपीटी प्रजेंटेशन के साथ पढ़ाकर भी दिखाना होगा.

मिलेगा संशोधन का मौका

लखनऊ यूनिवर्सिटी ने 16 दिसंबर 2020 को शिक्षक भर्ती के लिए 180 स्थाई पदों पर विज्ञापन जारी कर आवेदन प्रक्रिया शुरू की थी लेकिन राजभवन ने पारदर्शिता लाने के लिए इस पर रोक लगाते हुए मई 2021 के शासनादेश के अनुसार प्रक्रिया के आदेश दिए. जिससे यूनिवर्सिटी ने विज्ञापन रद कर दिया था. अब फिर से विज्ञापन जारी कर आवेदन प्रक्रिया शुरू की गई है. जिन अभ्यर्थियों ने उस समय आवेदन किया था, उन्हें योग्यता आदि जोड़ने के लिए एक मौका दिया जाएगा. ऐसे कैंडीडेट इसका फायदा उठाएं.

NBT PAGE 4

लविवि : एमकॉम में दाखिले के 949 दावेदार

■ **एनबीटी, लखनऊ :** एलयू में पीजी के 15 पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए गुरुवार को परीक्षा हुई। इस दौरान एमकॉम की प्रवेश परीक्षा में 949 अभ्यर्थी शामिल हुए, जबकि 251 ने परीक्षा छोड़ी। वॉयो टेक्नोलॉजी में 238 अभ्यर्थी ने परीक्षा दी। प्राचीन भारतीय इतिहास और आर्कियोलॉजी में 189 अभ्यर्थी शामिल हुए। अप्लाइड जियोलॉजी में 51 अभ्यर्थी शामिल हुए। इसके साथ ही वीएलआई एससी, जीव रसायन विज्ञान, सीसीजे ए, गृह विज्ञान, पब्लिक हेल्थ, एमपीएड की भी प्रवेश परीक्षा हुई। इसके साथ ही एमपीएच, कंप्यूटर साइंस सहित कई अन्य में भी प्रवेश के लिए परीक्षा हुई।

JAGRAN CITY PAGE I

लखनऊ विश्वविद्यालय ने भी लिया रैंकिंग में हिस्सा

वर्ष 2021 की नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में पहली बार लखनऊ विश्वविद्यालय ने भी आवेदन पत्र भरा था। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय का कहना है कि वर्ष 2021 की रैंकिंग में यह पहला राज्य विश्वविद्यालय है जो कि इसमें शामिल हुआ और 151 से 200 के बीच रैंक हासिल की। विश्वविद्यालय आने वाले वर्षों में अपने समस्त विश्वविद्यालय परिवार के लिए कई नए शैक्षणिक व वित्तीय आयाम खोलने के लिए सक्षम होगा। सभी शिक्षकों को बधाई।

PIONEER PAGE 3

लविवि पहली बार राज्य अनुदानित के रूप में शामिल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नेशनल इंस्टिट्यूशन रैंकिंग फ्रेमवर्क में लविवि पहली बार राज्य सरकार द्वारा अनुदानित विवि के रूप में शामिल हुआ है। जिसकी गिनती देश के सर्वोत्तम 200 विवि में है। देश के इस प्रतिष्ठित रैंकिंग में स्थान प्राप्त करने के लिए 2021 में कुल 1657 विभिन्न शिक्षण संस्थानों ने आवेदन पत्र दाखिल किए थे। अपने 100 साल के इतिहास में पहली बार लविवि ने भी इस रैंकिंग का हिस्सा बनने के लिए आवेदन पत्र भरा था और अपनी पहली ही बार में वह एकमात्र जनरलिस्ट राज्य विवि बनने में सफल रहा जो देश के सर्वोत्तम 200 विवि में गिनी जाती है। विवि के प्रवक्ता प्रो दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक आवेदन के पहले ही वर्ष इस पड़ाव को पार कर विवि आने वाले वर्षों में अपने समस्त विवि परिवार के लिए कई नए शैक्षणिक व वित्तीय आयाम खोलने के लिए सक्षम होगा। बता दें कि एनआईआरएफ की रैंकिंग किसी भी शैक्षणिक संस्थान में छात्रों की संख्याए पढ़ाए जाने वाले विभिन्न पाठ्यक्रम, वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता, प्रायोजित शोध कार्यक्रम एवं प्रोजेक्ट्स, कंसलटेंसी प्रोजेक्ट्स, विभिन्न एग्जीक्यूटिव और फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम द्वारा की गई आय और दिव्यांग छात्रों के लिए उपलब्ध सुविधाओं के आधार पर तैयार की जाती है।

परास्नातक कक्षाओं में दाखिले को लेकर प्रवेश परीक्षा सम्पन्न

लखनऊ। परास्नातक कक्षाओं में दाखिले को लेकर गुरुवार को लविवि में कई पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षाएं सम्पन्न कराई गईं। परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो गई। आज दो पारियों में प्राचीन भारतीय इतिहास और आर्कियोलॉजी, अप्लाइड इकोनॉमिक्स, अप्लाइड जियोलॉजी, बीएलआई एससी, जीव रसायन विज्ञान, सीसीजेए, होम सांइस, पब्लिक हेल्थ, एमपीएड, एमपीएच, नृविज्ञान, कंप्यूटर साइंस, एमकॉम और बायो टेक्नोलॉजी के परास्नातक पाठ्यक्रम के प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया। सुबह की पारी में प्राचीन भारतीय इतिहास और आर्कियोलॉजी में 189 अभ्यर्थी मौजूद रहे और 59 अनुपस्थित रहे। अप्लाइड इकोनॉमिक्स प्रवेश परीक्षा में 416 अभ्यर्थी मौजूद रहे और 125 अनुपस्थित पाए गए। अप्लाइड जियोलॉजी में 51 अभ्यर्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी एवं 37 अनुपस्थित रहे। बीएलआईएससी की प्रवेश परीक्षा में 43 अभ्यर्थी मौजूद रहे और 26 अनुपस्थित रहे। जीव रसायन विज्ञान में 136 अभ्यर्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी एवं 76 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। सीसीजेए के प्रवेश परीक्षा में 39 अभ्यर्थी मौजूद रहे और 29 अनुपस्थित पाए गए। गृह विज्ञान में 48 अभ्यर्थी उपस्थित रहे और 13 अनुपस्थित मिले। पब्लिक हेल्थ में 83 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी और 79 अनुपस्थित रहे। एमपीएड की प्रवेश परीक्षा में 154 अभ्यर्थी उपस्थित रहे और 43 अनुपस्थित मिले। शाम की पारी में एमपीएच की प्रवेश परीक्षा में 133 अभ्यर्थी उपस्थित रहे और 78 अनुपस्थित मिले। नृविज्ञान के प्रवेश परीक्षा में 61 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी और 30 अनुपस्थित रहे। कंप्यूटर साइंस की प्रवेश परीक्षा में 66 अभ्यर्थी उपस्थित रहे और 33 अनुपस्थित मिले। नृविज्ञान के प्रवेश परीक्षा में 61 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी और 30 अनुपस्थित रहे। कंप्यूटर साइंस की प्रवेश परीक्षा में 66 अभ्यर्थी उपस्थित रहे और 33 अनुपस्थित मिले। बायो टेक्नोलॉजी की प्रवेश परीक्षा में 238 अभ्यर्थी उपस्थित थे और 138 अनुपस्थित मिले। एमकॉम की प्रवेश परीक्षा 949 अभ्यर्थियों ने दी जबकि 251 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

AMRIT VICHAR PAGE 3

उपलब्धि | बीएचयू तीसरे स्थान पर, केजीएमयू 39वें, बीबीएयू 65वें और दयालबाग एजुकेशनल आगरा 94वें स्थान पर

एनआईआरएफ की रैंकिंग में प्रदेश के चार विश्वविद्यालय

अमृत विचार,लखनऊ

नेशनल इंस्टिट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) ने देश के टॉप 100 संस्थानों में शामिल विश्वविद्यालयों की रैंकिंग गुरूवार को जारी की है। इस बार कई संस्थान आगे निकलें हैं तो कई संस्थान पीछे भी रह गये हैं। राजधानी का बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय बीबीएयू 65वें पायदान पर है। वहीं एनआईआरएफ की रैंकिंग में यूपी के चार मेडिकल संस्थानों ने जगह बनायी है। इसमें राजधानी का एसजीपीजीआई पांचवे स्थान पर है।

बीएचयू सातवें स्थान पर, केजीएमयू नवें स्थान पर है। जबकि एमयू 15वें स्थान पर है। हैरानी की बात ये है कि यूपी का एक भी कॉलेज अपनी जगह टॉप 100 में नहीं बना पाया है।

इस तरह आयी ओवर ऑल रैंकिंग

- आईआईटी कानपुर 2020 में छठी रैंक, 2021 में पांचवी रैंक।
- बीएचयू 2020 में 10वीं रैंक, 2021 में भी 10वीं रैंक।
- एमएयू 2020 में 31वीं रैंक, 2021 में 18 वीं रैंक।
- एमिटी यूनिवर्सिटी 2020 में 63वीं रैंक 2021 में 43 वीं रैंक।
- एमएनआईआईटी प्रयागराज 2020 में 93वीं रैंक, 2021 में 88वीं रैंक।

टॉप 100 में इंजीनियरिंग के तीन स्थान: एनआईआरएफ की रैंकिंग में यूपी के टॉप 100 में कानपुर आईआईटी चौथे स्थान पर, वाराणसी आईआईटी 14वें नंबर पर, वहीं एमएमएनआईटी प्रयागराज 42वें स्थान पर है।

टॉप 100 में मैनेजमेंट संस्थान

विश्वविद्यालय की रैंकिंग में चार संस्थान

एनआईआरएफ की रैंकिंग में यूपी के टॉप 100 में लखनऊ का बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय बीबीएयू को 65वां स्थान मिला है। जबकि बीएचयू तीसरे स्थान पर, केजीएमयू 39वें स्थान पर और दयालबाग एजुकेशनल संस्थान आगरा 94वें नंबर पर है।

100 साल बाद लविवि टॉप 200 में शामिल

लखनऊ विश्वविद्यालय जो पूरे देश के साथ—साथ विदेश में भी अपनी अलग पहचान रखता है। वह 100 साल का हो चुका है अब पहली बार एकमात्र जनरलिस्ट राज्य विश्वविद्यालय बनने में सफल रहा जो देश के सर्वोत्तम 200 विश्वविद्यालयों में गिना जायेगा। कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय ने भी इस रैंकिंग का हिस्सा बनने के लिए आवेदन पत्र भरा था।

एनआईआरएफ की रैंकिंग में यूपी के टॉप 100 में मैनेजमेंट के आठ संस्थान शामिल हुए हैं। इसमें आईआईएम लखनऊ सातवें स्थान पर, कानपुर आईआईटी 16वें स्थान पर, एमिटी गौतमबुद्ध नगर 39वें स्थान पर, गाजियाबाद आईएमटी 38वें स्थान पर, बिरला इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी नोएडा 44वें नंबर पर, बीएचयू 45वें स्थान पर, एमयू 49वें स्थान पर, जयपुरिया 68वें स्थान पर।

टॉप 100 में यूपी के ये मेडिकल संस्थान: एनआईआरएफ की रैंकिंग में यूपी के चार मेडिकल संस्थानों ने जगह बनायी है। इसमें राजधानी का एसजीपीजीआई पांचवे स्थान पर है। बीएचयू सातवें स्थान पर, केजीएमयू नवें स्थान पर है। जबकि एमयू 15वें स्थान पर है।

प्रदेश का एक भी कॉलेज रैंकिंग में शामिल नहीं: नेशनल इंस्टिट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) रैंकिंग में यूपी का एक कॉलेज नहीं शामिल हुआ है। जबकि कॉलेज प्रबंधन अपनी शिक्षा की गुणवत्ता के तमाम तरह के प्रलोभन वाले विज्ञापनों से छात्रों को आकर्षित करने का प्रयास करते हैं।

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

लविवि में दो पालियों में हुई परास्नातक पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय में परास्नातक स्तर के विभिन्न पाठ्यक्रमों मे दाखिले के लिए बृहस्पतिवार को प्रवेश परीक्षा का आयोजन दो पालियों में किया गया। बृहस्पतिवार को प्राचीन भारतीय इतिहास और आर्कियोलॉजी, अप्लाइड इकोनॉमिक्स, अप्लाइड जियोलॉजी, बीएलआईएससी, जीव रसायन विज्ञान, सीसीजेए, होम सांइस, पब्लिक हेल्थ, एमपीएड, एमपीएच, विज्ञान, कंप्यूटर साइंस, एम कॉम और बायो टेक्नोलॉजी के परास्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया।

सुबह की पाली मे प्राचीन भारतीय इतिहास और आर्कियोलॉजी मे 189 अभ्यर्थी मौजूद रहे और 59 अनुपस्थित थे। अप्लाइड इकोनॉमिक्स प्रवेश परीक्षा में 416 अभ्यर्थी उपस्थित और 125 अनुपस्थित रहे। अप्लाइड जियोलॉजी मे 51 अभ्यर्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी एवं 37 अनुपस्थित रहे। बीएलआईएससी की प्रवेश परीक्षा मे 43 अभ्यर्थी मौजूद और 26 अनुपस्थित रहे। जीव रसायन विज्ञान में 136 अभ्यर्थियो ने प्रवेश परीक्षा दी एवं 76 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। सीसीजेए की प्रवेश परीक्षा में 39 अभ्यर्थी मौजूद रहे और 29 अनुपस्थित रहे।

गृह विज्ञान मे 48 अभ्यर्थी उपस्थित और 13 अनुपस्थित रहे। पब्लिक हेल्थ में 83 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी और 79 अनुपस्थित रहे। एमपीएड की प्रवेश परीक्षा में 154 अभ्यर्थी उपस्थित और 43 अनुपस्थित रहे। शाम की पाली में एमपीएच की प्रवेश परीक्षा में 133 अभ्यर्थी उपस्थित और 78 अनुपस्थित रहे। विज्ञान की प्रवेश परीक्षा में 61 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी और 30 अनुपस्थित रहे। कंप्यूटर साइंस की प्रवेश परीक्षा मे 66 अभ्यर्थी उपस्थित रहे और 33 अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार बायो टेक्नोलॉजी की प्रवेश परीक्षा मे 238 अभ्यर्थी उपस्थित थे और 138 अनुपस्थितरहे। एमकॉम की प्रवेश परीक्षा 949 अभ्यर्थियों ने दी जबकि 251 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

DAINIK JAGRAN PAGE 9

15 तक जमा करें प्रवेश शुल्क

जासं, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय ने सम सेमेस्टर 2021 के छात्र-छात्राओं को प्रवेश शुल्क जमा करने का फिर मौका दिया है। जो विद्यार्थी अभी तक प्रवेश शुल्क नहीं जमा कर पाए हैं, वे 15 सितंबर तक शुल्क जमा कर सकते हैं। कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने निर्देश जारी किए हैं ।

बीकॉम, एमबीए के नतीजे जारी

जासं, लखनऊ : लवि ने गुरुवार को एमबीए (सीबीसीएस) द्वितीय सेमेस्टर, बीकॉम चौथे, छठे सेमेस्टर, एमएससी फिजिक्स द्वितीय सेमेस्टर और एमए एमआइएच प्रथम सेमेस्टर (सीबीसीएस) के परिणाम जारी कर दिए हैं। छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय की वेबसाइट **www.lkouniv.ac.in** पर परिणाम देख सकते हैं।

TOI PAGE 3

LU to hire 199 teachers, end crunch

Restarts Recruitment Process After A Year, Issues Fresh Advertisement

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: A year after issuing the advertisement for hiring 188 teachers, Lucknow University on Thursday released a fresh one, resetting in motion the recruitment process after the earlier one was scrapped in June. This time LU has advertised 199 permanent posts lying vacant.

The decision came as a relief for over 5,000 applicants who had applied earlier, as well as the students who can hope for a better teacher-taught ratio by the end of the year.

TOI has been consistently raising the issue of shortage of faculty in LU.

LU had advertised 180 posts in September last year, but the process was stalled first due to litigation and then again because of change in selection rules. The advertisement was finally cancelled in June.

Now, 199 posts have been advertised. These include the 188 posts advertised earlier as well as 19 more which fell vacant due to superannuation of teachers this year.

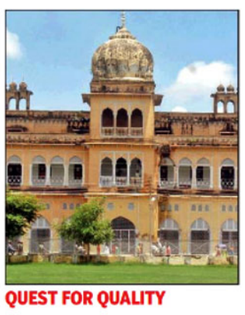

QUEST FOR QUALITY

The last date for filing applications for 87 posts of assistant professors, 70 of associate professors and 42 of professors in various departments is September 30.

About 5,024 candidates who had applied earlier need not to apply afresh. They can add their qualifications if they have earned more degrees or experience in the past one year. The entire process will be online.

"All the vacant posts, barring those in the education faculty, have been advertised. We have to consult the state government on some rules related to selection for education faculty posts, which can be advertised later when the issue is resolved," said registrar Vinod Kumar Singh.

LU has been facing an acute shortage of teachers for a long time. At present, about 200 (39%) permanent posts out of 516 are vacant. The teacher-student ratio is 1:39 though the ideal ratio prescribed by the University Grants Commission is 1:20.

Full faculty strength will help LU get good grades in the National Assessment Accreditation Council (NAAC) assessment. The last assessment was done in 2014 in which LU got 'B' grade. Even then LU was facing a shortage of teachers. Now, the university has applied for re-assessment.

The filling up of vacant faculty positions will improve the quality of teaching and play a crucial role in implementation of National Education policy 2020 from the coming session.

'Make roster system public'

Lucknow University Teachers' Association (LUTA) has demanded the university authorities to make public the roster system adopted for teachers' appointments. LUTA president Prof Vineet Kumar Verma said LU should upload the roster on its website for greater transparency.

VOICE OF LUCKNOW PAGE 3

रैंकिंग | सूची में जगह बनाने वाला उत्तर प्रदेश का एकमात्र राज्य विश्वविद्यालय लविवि

एनआईआरएफ रैंकिंग में लविवि को मिली जगह

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय को केन्द्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी एनआईआरएफ रैंकिंग में जगह मिली है। अभी तक कभी देश के टॉप विश्वविद्यालयों की रैंकिंग में लविवि शामिल नहीं हुआ। हालांकि अभी विवि के हिस्से कोई रैंक नहीं आई है और इसे 150 से 200 के रैंकबैंड में रखा गया है। लेकिन लखनऊ विश्वविद्यालय इस सूची में आने वाला उत्तर प्रदेश का एकमात्र राज्य विश्वविद्यालय है।

लखनऊ विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार के मुताबिक पहली बार इस सूची में जगह मिलना भी बड़ी उपलब्धि है। हालांकि इस बार रैंकिंग के लिए बहुत ज्यादा सूचनाएं जमा नहीं हो पाई थीं जिसके चलते हम काफी पीछे रह गए। अगली बार टॉप 100 के अंदर आने के पूरे प्रयास होंगे और इसके लिए हमारे पास अभी से कई सूचनाएं, रिसर्च आदि के डाटा आ गए हैं। हमें पूरी उम्मीद है कि अगली बार हम बहुत अच्छी रैंक पर होंगे। हमारे पास संसाधन पर्याप्त हैं लगातार यहां बहुत अच्छा काम भी हो रहा है और यह सबकुछ अगली एनआईआरएफ रैंकिंग में दिखेगा।

बीबीएयू ने भी टॉप 100 में जगह बनाई : बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (केन्द्रीय) ने 65वां पायदान हासिल किया है। पिछली बार यह विश्वविद्यालय 101 से 150 के रैंकबैंड में शामिल था। केवल एक वर्ष में देश के टॉप 100 विश्वविद्यालयों में शामिल होकर बीबीएयू ने बड़ी उपलब्धि अपने खाते में दर्ज की।

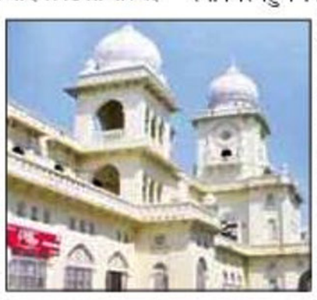

65वीं रैंक आने पर विवि के कुलपति प्रो. संजय सिंह ने कहा है कि यह पूरे विवि परिवार के अथक प्रयासों का नतीजा है। आगे भी कठिन परिश्रम के साथ हम आगे बढ़ेंगे और बीबीएयू को टॉप टेन में शामिल करने का पूरा प्रयास करेंगे।

केजीएमयू को नवां स्थान : मेडिकल संस्थानों की सूची में केजीएमयू को 10वीं रैंक मिली थी, इस साल इसमें एक पायदान की बढ़त रही और 9वीं रैंक हासिल हुई। हालांकि विश्वविद्यालयों की सूची में केजीएमयू आठ पायदान फिसलकर 39वें स्थान पर पहुंच गया है जबकि पिछली बार 31वें स्थान पर था। केजीएमयू के कुलपति प्रो. बिपिन पुरी कहते हैं कि मेडिकल संस्थानों में हमारी नौवी रैंक आई है, इसमें और सुधार होगा। बीते चार से छह माह में काफी मेहनत की गई है। आईसीयू बेड बढ़े हैं। ऑनलाइन सिस्टम को बेहतर किया गया है। कोरोना काल में भी 1000 से ज्यादा शोधपत्र प्रकाशित हुए हैं। टेली मेडिसिन ई-संजीवनी के माध्यम से देश में सबसे ज्यादा मरीजों को इलाज मुहैया कराया। अगले साल हम टॉप 5 में पहुंचें, इस दिशा में लगातार प्रयास हो रहे हैं।

इन मानकों पर तय होती है रैंकिंग-

- टीचिंग, लर्निंग एंड रिसोर्सेज- 100 अंक
- रिसर्च एंड प्रोफेशनल प्रैक्टिस- 100 अंक
- ग्रेजुएशन आउटकम्स- 100 अंक
- आउटरीज एंड इन्क्लूसिविटी- 100 अंक परसेप्शन- 100 अंक

आईआईएम लखनऊ सातवें पायदान पर पहुंचा : एनआईआरएफ रैंकिंग में आईआईएम लखनऊ तीन स्थान नीचे खिसकते हुए सातवें पायदान पर पहुंच गया है। पिछली बार आईआईएम लखनऊ की रैंक चौथी थी। आईआईएम संस्थान इंदौर व कोझिकोड इससे आगे निकलकर छठे व चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। बता दें कि आईआईएम लखनऊ 1984 में शुरू हुआ था। वहीं आईआईएम इंदौर और कोझिकोड दोनों 1996 में स्थापित किए गए। दोनों संस्थान इस बार स्थापना की रजत जयंती मना रहे हैं और सौगात में दोनों को एनआईआरएफ की बेहतर रैंकिंग मिली है। वहीं आईआईएम लखनऊ की व्यवस्था पर इस साल रैंकिंग ने सवाल खड़े कर दिए हैं।